

प्रेषक,

एल.एम. पन्त,
सचिव वित्त,
उत्तराखण्ड शासन।

प्रेष्य,

अधिशाली अधिकारी,
नगर पंचायत, हरबर्टपुर।

वित्त अनुभाग-1

= देहरादून :: दिनांक: 06 जुलाई, 2009

विषय:- शासनादेश सं०-405/XXVII(1)/2009 दिनांक: 03 जून, 2009 में आंशिक संशोधन विषयक।

महोदय,

उपरोक्त शासनादेश द्वारा वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु कतिपय नगर पंचायतों से उपयोगिता प्रमाण- पत्र उपलब्ध न होने के कारण रोक दी गई चतुर्थ त्रैमासिक किश्त की अवशेष धनराशि वित्तीय वर्ष 2009-10 में अवमुक्त की गई थी परन्तु उक्त शासनादेश के पृष्ठांकन में नगर पंचायत-हरबर्टपुर, जिलाधिकारी-देहरादून एवं मुख्य/ वरिष्ठ/ कोषाधिकारी अंकित नहीं है।

इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उपरोक्त शासनादेश में अधिशाली अधिकारी, नगर पंचायत-द्वाराहाट, देवप्रयाग, मुनिकीरेती, कैलाखेड़ा तथा महुआखेड़ागंज के स्थान पर अधिशाली अधिकारी, नगर पंचायत-द्वाराहाट, देवप्रयाग, मुनिकीरेती, कैलाखेड़ा, महुआखेड़ागंज एवं हरबर्टपुर तथा प्रतिलिपि क्र०सं०-5 पर जिलाधिकारी-अल्मोड़ा, टिहरी गढ़वाल, उद्यमसिंह नगर के स्थान पर जिलाधिकारी- अल्मोड़ा, टिहरी गढ़वाल, उद्यमसिंह नगर एवं देहरादून तथा प्रतिलिपि क्र०सं०-7 पर मुख्य/ वरिष्ठ कोषाधिकारी-अल्मोड़ा, टिहरी गढ़वाल, उद्यमसिंह नगर उत्तराखण्ड के स्थान पर मुख्य/ वरिष्ठ कोषाधिकारी-अल्मोड़ा, टिहरी गढ़वाल, उद्यमसिंह नगर एवं देहरादून, उत्तराखण्ड पढ़ा जाय।

उक्त शासनादेश इस सीमा तक संशोधित समझा जाय। अन्य शेष शर्तें यथावत लागू रहेगी।

भवदीय

(एल.एम. पन्त)
सचिव वित्त।

सं०-464/XXVII(1)/ 2009 तदुद्दिनांकित।

प्रतिलिपि-निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- (1) महालेखाकार उत्तराखण्ड-देहरादून।
- (2) सचिव, शहरी विकास, उत्तराखण्ड शासन।
- (3) मण्डलायुक्त, गढ़वाल मण्डल।
- (4) निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय, उत्तराखण्ड-देहरादून।
- (5) जिलाधिकारी, देहरादून।
- (6) निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड।
- (7) मुख्य/ वरिष्ठ/ कोषाधिकारी, देहरादून।
- (8) निजी सचिव मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
- (9) एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड।

आज्ञा से,

3/7/2009
(एल.एम. पन्त)
सचिव वित्त।